हरदेव सतगुरू के, एहसान याद रखना।
हम सबको जो मिले हैं, वरदान याद रखना ॥

चरणों में जो भी आया, सबको गले लगाया
सन्तों में है बिठाया, अस्थान याद रखना ॥

दरबार सतगुरू का, कितना ये पाक दर है।
इसका ध्यान रखना, सम्मान याद रखना ॥

हरदेव सतगुरू की जो, महानता है सन्तो।
उनकी निराली हस्ती, और शान याद रखना ॥

भूलें से भी ना भुलें, उपकार 'शौक' उनके।
हम सबके थे वो सन्तों, जिंद जान याद रखना।

(तर्ज : वो दिल कहाँ से लाऊँ.....)

(लग जा गले ये फिर हसी रात हो ना हो ...)

(इन आंखो की मस्ती कि मस्तानें .....)